स्काउटिंग

इतिहास

स्काउटिंग को जनम देने वाले लार्ड बेडन पावेल थे! जिनका पूरा नाम ROBERT STEPHENSON SMYTH BADEN POWELL था , जिनका जनम 22 फ़रवरी 1857 को इंग्लैंड में हुआ था! इनके पिता का नाम हवेर्ट जार्ज बेडन पावेल था तथा माता का नाम हेनी रीटा ग्रेस स्मिथ था!1876 में ये सेना अधियारियो की भर्ती में पांचवे स्थान पर रहे,1883 में ये केप्टन बने!

1899 में दक्षिण अफ्रीका में मेफ्किंग का महत्वपूर्ण क़स्बा था, जहा 1500 गोरे ओर 8000 स्थानीय लोग रहते थे, हालैंड निवासी (डच) लोग मेफ्किंग को अपने अधीन लेना चाहते थे, जिनकी 9000 सेना ने मेफ्किंग को घेर लिया था! B.P के पास अंग्रेजी सेना के कुल मिला कर 1000 सेनिक थे! उन्होंने अपनी युक्ति से 217 दिनों तक कसबे में घुसने नहीं दिया 17 मई 1900 को इंग्लैंड से सैनिक सहायता प्राप्त होने पर विजय प्राप्त की इस विजय की प्रमुख घटना यह रही कि B.P ने मेफ्किंग के 9 वर्ष से अधिक उम्र के लडको को इक्कठा किया ओर उन्हें सन्देश वाहक , प्राथमिक चिकित्सा आदि कार्यों में प्रशिक्षित किया! इस प्रयोग ने B.P को प्रभावित किया! ओर उन्होंने 'Aids to scouting' नामक पुस्तक लिखी ओर इसके प्रयोग के रूप में इंग्लैंड में 1907 में ब्राउन सी नामक द्वीप पर समाज के सभी वर्ग से चुने हुए 20 लडको का पहला स्काउट शिविर आयोजित किया! लडको को शिविर बहुत अच्छा लगा ओर शीघ्र ही स्काउट की संख्या बढ़ गयी! ओर इस प्रकार स्काउटिंग का जनम हुआ!1908 में 'SCOUTING FOR BOYS' प्रकाशित हुई!

भारत में स्काउटिंग

लार्ड बेडेन पावेल की पुस्तक 'स्काउटिंग फॉर ब्वॉयज' का प्रभाव विश्व के अन्य देशों के साथसाथ भारत पर भी - पड़ा। जिसके फलस्वरुप भारत में भी स्काउटिंग शुरु करने का प्रयास किया जाने लगा। सन् 1909 में भारत में स्काउटिंग के आरम्भ होने पर इसमें केवल अंग्रेज तथा एंग्लो इण्डियन बच्चों को ही प्रवेश दिया जाता था। सन् 1913 में पं. श्रीराम वाजपेयी ने शाहजहाँपुर में भारतीय बच्चो के लिए स्काउटों का एक स्वतंत्र दल खोला। सन् 1913 के उपरान्त एक के बाद एक दल खुलने लगे।

सन् 1916 में ही डॉ. एनीबेसेंट ने मद्रास में 'इण्डियन ब्वॉयज स्काउट एसोसिएशन' की नींव रखी। सन् 1917 में पण्डित मदन मोहन मालवीय ने पंहृदयनाथ. कुँजरू और पं. श्रीराम वाजपेयी के सहयोग से इलाहाबाद में 'अखिल भारतीय सेवा समिति ब्वॉयज स्काउट एसोसिएशन' की स्थापना कर दी। सन् 1920 तक तो भारत में सकाउटिंग के कई स्वतंत्र संगठन बन चुके थे।

- 1909 में गयिडिंग शुरू हुई ओर भारत में 1911 में शुरू हुई जबलपुर से!
- 1916 में कबिंग शुरु हुई!
- 1920 में पहली विश्व जम्बूरी OLYMPIA, LONDON, ENGLAND में हुए जिसमे 8000 प्रतिभागी थे!

परिभाषा

स्काउटिंग एक स्वंयसेवी , गैर राजनीतिक शेक्षणिक आंदोलन है! जो किसी मूल , जाती , धर्म, वंश के भेदभाव से परे प्रत्येक व्यक्ति के लिय खुला है तथा लौर्ड बेडन पॉवेल द्वारा 1907 में निर्धारित उद्देश्यों , सिधान्तो व् विधियों पर आधारित है!

उद्देश्य

स्काउट आन्दोलन का उद्देश्य है नवयुवको /नवयुवतियो का शारीरिक , मानसिक , सामाजिक ओर अध्यात्मिक विकास कर उन्हें उत्तरदायी नागरिक बनाना ताकि वे स्थानीय , राष्ट्रिय और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए उपयोगी सिद्ध हो सके !

सिद्धांत

1. ईश्वर के प्रति कर्तव्य
2. दूसरों के प्रति कर्तव्य
3. स्वयं के प्रति कर्तव्य

उम्र अनुसार विभाजनः-

3 से 5 वर्ष-बनी - टमटोला
6 से 10 तकबुलबुल -कब -
10 से 17 तकगाइड -स्काउट -
17 से 25 तक- रोवर्स- रेंजर्स
25 से अधिकप्रशिक्षक -, मास्टर, तथा स्वैच्छिक समयदानी बनकर स्काउट आंदोलन की सेवा करना।

- स्काउटिंग एक जीवन शैली है। बचपन से वृद्धावस्था तक स्काउटिंग हमारे जीवन में नवीन चेतना का संचार करती है। हर उम्र के व्यक्ति को स्काउटिंग जीवन शैली से जीना चाहिये।
- स्काउटगाइड/ सदैव सेवा कार्य में लगे रहते हैं, फिर भी उन्हें नित्य एक भलाई का कार्य करना अनिवार्य होता है। इसके लिए स्कार्फ में एक गाँठ लगाई जाती है।

स्काउट प्रतिज्ञा

मै मर्यादापूर्वक प्रतिज्ञा करता हूँ की मै यथाशक्ति ईश्वर और अपने देश के प्रति कर्तव्य का पालन करुगा , दूसरों की सहायता करुगा और स्काउट गाईड नियमों का पालन करुगा!

स्काउट नियम

1. स्काउट विश्वसनीय होता है!
2. स्काउट वफादार होता है!

3. स्काउट सबका मित्र और प्रत्येक दूसरे स्काउट का भाई होता है!
4. स्काउट विनम्र होता है!
5. स्काउट पशु पक्षियों का मित्र और प्रकृति प्रेमी होता है!
6. स्काउट अनुशाशनशील होता है और सार्वजनिक सम्पाती की रक्षा करता है!
7. स्काउट साहसी होता है!
8. स्काउट मितव्ययी होता है!
9. स्काउट मन , वचन, कर्म से शुद्ध होता है!

नोटः- 'स्काउट' के स्थान पर 'गाइड/' शब्द लगाने से यही 'गाइड' नियम हो जाते हैं।

SCOUT MOTTO

- CUBS/BULBULS – कोशिश करो (DO YOUR BEST)
- SCOUTS/GUIDES – तैयार रहो (BE PREPARED)
- ROVERS/RANGERS – सेवा (SERVICE)

कार्यक्षेत्रः- बेडेन पॉवेल द्वारा बताए गए-

(1) चरित्र निर्माण- स्वावलंबन और आत्मविश्वास

(2) समाज सेवादूसरों की सेवा और नित्य एक भलाई का कार्य। -

(3) स्वास्थ्यआरोग्य के नियम -

(4) हस्त कौशल तरह -तरह -के कौशलों का ज्ञान

(5) धार्मिकताईश्वर में विश्वास और अपने धार्मिक नियमों का पालन -

तथा दूसरों के धार्मिक विश्वासों का सम्मान।

स्काउट/गाइड् प्रार्थना

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में, शुद्धता देना।।
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अंधेरे दिल में आकर के, परम् ज्योति जगा देना।।
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिल जुलकर, प्रभु रहना सिखा देना।।
हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, व सेवक चर बना देना।।

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पेजाँ फिदा करना, प्रभु हमको सिखा देना।।

झण्डा गीत

भारत स्काउट गाइड झण्डा, ऊँचा सदा रहेगा।
ऊँचा सदा रहेगा झण्डा, ऊँचा सदा रहेगा।।
नीला रंग गगन सा विस्तृत, भ्रातृ भाव फैलाता।
त्रिदल कमल नित तीन प्रतिज्ञाओं की याद दिलाता।
और चक्र कहता है, प्रतिपल आगे कदम बढ़ेगा।
ऊँचा सदा रहेगा झण्डा, ऊँचा सदा रहेगा।।